एन्त नेर्चिन

रागम्: शुद्धधन्याशि तालम्: देशादि

(श्री त्यागराज विरचित)

पल्लवि

एन्त नेर्चिन एन्त जूचिन
एन्त वारलैन कान्त दासुले

अनुपल्लवि

सन्ततम्बु श्रीकान्त स्वान्त सि-
द्धान्त मैन मार्ग चिन्त लेनि वा

चरणम्

परहिंस परभामान्यधन

पर मानवापवाद

पर जीवनादुलकनृतमे
भाषिञ्चेरय्या त्यागरागनुत

◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇